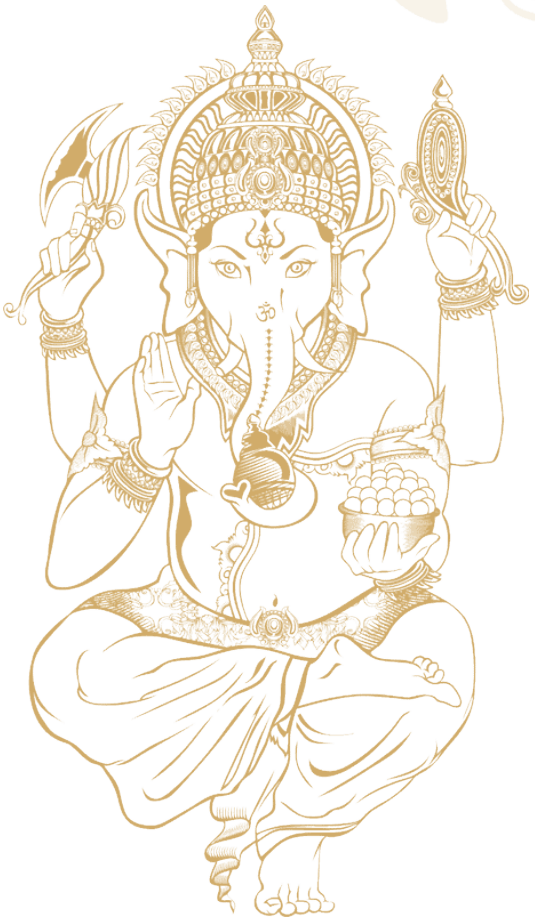

Mr.

BHAVNA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121920903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/04/2000	जन्म तिथि	14/07/2003
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:29:00	जन्म समय	08:45:00 घंटे
घटी 33:47:36	जन्म समय(घटी)	08:01:29 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Faridabad
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:57	सूर्योदय	05:32:37
18:45:47	सूर्यास्त	19:20:14
23:51:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 4वर्ष 9मा 22दि	10:14:32	तुला	लग्न	सिंह	07:41:44	सूर्य 3वर्ष 8मा 15दि
शुक्र	00:05:11	मेष	सूर्य	मिथु	27:23:57	राहु
04/02/2012	26:13:38	कर्क	चंद्र	मक	01:45:23	29/03/2024
04/02/2032	21:47:07	मेष	मंगल	कुंभ	14:43:56	30/03/2042
शुक्र 06/06/2015	07:00:39	मीन	बुध	कर्क	07:21:21	राहु 10/12/2026
सूर्य 05/06/2016	18:12:19	मेष	गुरु	कर्क	26:38:06	गुरु 05/05/2029
चन्द्र 04/02/2018	14:32:24	मीन	शुक्र	मिथु	17:36:32	शनि 11/03/2032
मंगल 06/04/2019	23:08:05	मेष	शनि	मिथु	11:15:52	बुध 28/09/2034
राहु 05/04/2022	06:03:02	कर्क व	राहु व	वृष	04:19:29	केतु 17/10/2035
गुरु 04/12/2024	06:03:02	मक व	केतु व	वृश्चि	04:19:29	शुक्र 16/10/2038
शनि 04/02/2028	26:15:59	मक	हर्ष व	कुंभ	08:23:58	सूर्य 10/09/2039
बुध 05/12/2030	12:32:49	मक	नेप व	मक	18:27:05	चन्द्र 11/03/2041
केतु 04/02/2032	18:48:57	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:51:12	मंगल 30/03/2042

लग्न-चलित

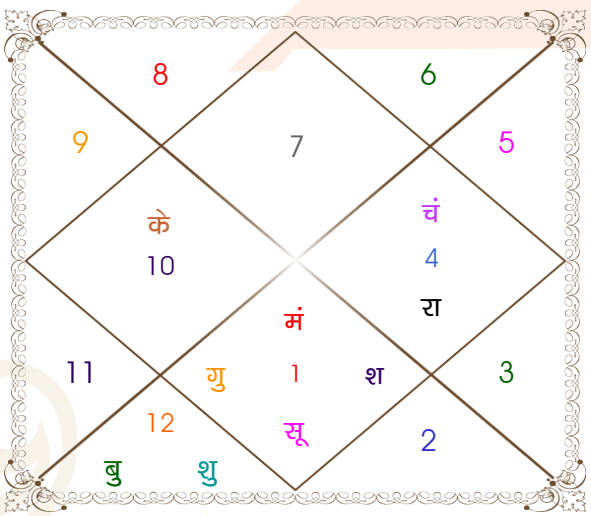

लग्न-चलित

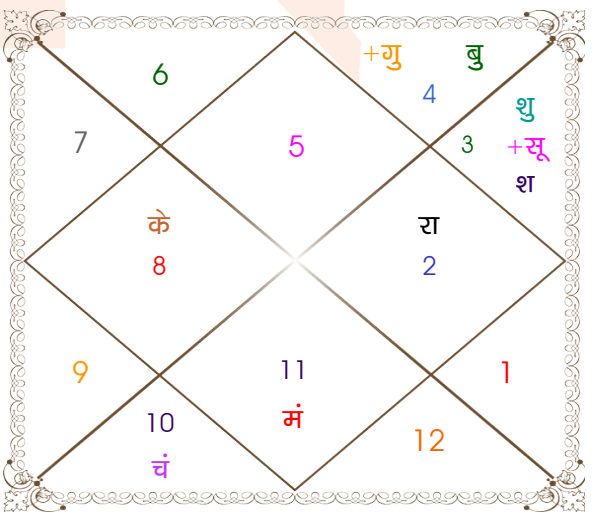

कौशिक राजेन्द्र पण्डित जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा BHAVNA का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और BHAVNA का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

कौशिक राजेन्द्र पण्डित जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

BHAVNA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि BHAVNA कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा BHAVNA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

कौशिक राजेन्द्र पण्डित जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com